की दृष्टि में इस पर विचार किया जा कर सेन्ट्रल वाटर बोर्ड कमिशन के माध्यम से ही वह काम लेगी ताकि इससे लाभ अधिक से अधिक हो सके ? इसके साथ-ही-माथ जिन प्रान्तों को जो-जो काम एलाट किया जाय उसमें किसी प्रकार का इन्टरफियरेन्स न हो, उस पर निर्णय करने की कुछ बात भी सोचती है ?

DR. K. L. RAO: Naturally, Sir, the development of the Narbada Valley will be on considerations of economic development of the country and no political considerations will come in.

SHRI A. D. MANI: The Minister stated that the discussions were inconclusive. May I ask him whether there was a deadlock in regard to the decisions to be taken by this conference or whether the conference was postponed because the matter was so complicated that another meeting had to be held to consider the problem? I want to know whether any deadlock arose in the meeting which was held.

DR. K. L. RAO: Actually this conference was intended to consider the various technical aspects connected with the Narbada Valley Project and the Chief Engineers of the various States put forth their respective ideas and respective views. All these will be considered later at a conference of the Chief Ministers at which final decisions will be taken.

SHRI K. K. SHAH: Will the Minister consider that in view of the fact that this irrigation project has been delayed for a number of years on account of political wrangling, this may be taken over by the Government of India and that each State may be provided facilities on payment of certain charges?

SHRI FAKHRUDDIN ALI AHMED: Sir, in view of the difficulties in the way of developing the Narbada river, it was decided by me that the matter should be settled as early as possible in consultation with the Chief Ministers of the States concerned. As hon. Members are aware, I have already had individual talks with all the Chief Ministers concerned and before meeting them together I thought it would be desirable to have the views of the technical experts. Therefore this meeting was suggested and the Chief Engineers and advisers of the State Governments have been meeting . . .

SHRI K. K. SHAH: For how long?

SHRI FAKHRUDDIN ALI AHMED: . . . and I think their final meeting will be over on the 13th August when they will submit a report to me. Without waiting for their report, I would like to inform the hon. Member that I have already convened a meeting of the Chief Ministers of the States where this matter will be settled and soon after that meeting one way or other a decision will be taken by the Government of India.

SHRI P. K. KUMARAN: There are a number of river water disputes pending in this country and the way this Government is going about resolving the disputes is something wonderful. Food production which seems to be the Achilles Heels of this country is growing from bad to worse This morning's papers reported that a shortage of 20 million tonnes of foodgrains was expected this year. Will the Government do something to resolve these disputes in a preremptory way as they have been going on for years now?

DR. K. L. RAO: I would like to submit to the hon. Member that except the Narbada river projects no development project has been held up on account of any controversy. In fact, we are getting on very well. It is only in the case of the Narbada projects that there has been a certain amount of setback on account of want of agreement between the parties. That is why the Government of India is very anxious to settle this question as early as possible.

AID TO HARYANA

*363. SHRI ABDUL GHANI: Will the Minister of PLANNING AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

(a) whether the Planning Commission has chalked out any tentative plan to give adequate financial aid to the proposed Haryana State which is an economically backward state; and

(b) if so, the details of the said plan?

THE MINISTER OF PLANNING AND SOCIAL WELFARE (SHRI ASOKA MEHTA): (a) and (b) Central assistance to the plans of the States is determined on the basis of the Plans drawn up by the States and approved by the Commission. The State of Haryana has not yet been constituted. As soon as it is constituted and its Government formed, it will draw up a Plan for the economic development of the new State. Thereafter the Planning Commission will, in consultation with the State Government, consider the amount of Central assistance that could be appropriately provided for that State.

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائینگے کہ کیا یہ سچ ہے کہ ہریانہ اسٹیٹ ابھی پورا مکمل نہیں ہوا ہے اور کیا یہ بھی سچ ہے کہ ہریانہ کا فیصلہ سرکار نے کر لیا ہے - تو کیا سرکار بتلائے گی کہ ایک امرت سر کے ضلع کے گاؤں میں جتنی بجلی دی جاتی ہے اتنی ہریانہ کے آٹھ ضلع کے گاؤں میں دی جاتی ہے - تو میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ اس ڈفیشینسی کو میٹ کرنے کے لئے جب کہ وہاں پر انڈسٹریز پہلے سے ہی بہت کم ہیں اس ہریانہ کے علاقہ کو نہ مانتے ہوئے بھی سارے پنجاب کے مقابلہ وہاں پر جو ڈیفیشینسی ہے اس کو دور کرنے کی کوشش کی جائے گی ؟

†[**श्री अब्दुल गनी** : क्या वजीर साहब फरमाएंगे कि क्या यह सच है कि हरियाणा स्टेट अभी पूरा मुकम्मल नहीं हुआ है और क्या यह भी सच है कि हरि [illegible] फैसला सरकार ने कर लिया है। तो [illegible] र बतलाएगी कि एक अमृतसर के जिले के गांव में जितनी बिजली दी जाती है उतनी हरियाणा के आठ जिले के गांव मे दी जाती है। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इस डेफिशियेंसी को मीट करने के लिए जबकि वहां पर इण्डस्ट्रीज़ पहले से ही बहुत कम है इस हरियाणा के इलाके को न मानते हुए भी सारे पंजाब के मुकाबले वहां पर जो डेफिशियेंसी है उसको दूर करने की कोशिश की जाएगी।]

श्री अशोक मेहता : जहां तक पंजाब स्टेट का सवाल है, पंजाब स्टेट के अन्दर सिर्फ हिल डिस्ट्रिक्ट के लिए तीसरे प्लान के अन्दर अलग से गुंजायश थी और बाकी जिलों के लिये तो स्टेट प्लान के अन्दर ही गुंजायश होती है। पंजाब सरकार ने कुछ महीने पहले एक कमेटी नियुक्त की थी और उसकी अंतरिम रिपोर्ट प्लानिंग कमिशन के पास आई है। मैंने सुना है कि उस कमेटी ने आखिरी रिपोर्ट भी पेश कर दी है, लेकिन आखिरी रिपोर्ट हमें अभी तक नहीं पहुंची है।

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائینگے کہ وہ ان سب حالات کو سامنے رکھے ہوئے کوئی بڑا پلانٹ ہریانہ میں لگانے پر وچار کرینگے چاہے وہ اسٹیل کا پلانٹ ہو - چاہے کوئی مشین ٹولز کا پلانٹ ہو ؟

†[**श्री अब्दुल गनी** : क्या वज़ीर साहब फरमाएंगे कि वह इन सब हालात को सामने रखते हुए कोई बड़ा प्लांट हरियाणा में लगाने पर विचार करेंगे चाहे वह स्टील का प्लांट हो, चाहे कोई मशीन टूल्ज़ का प्लांट हो ?]

श्री अशोक मेहता : जहां तक प्लानिंग कमिशन का सवाल है, प्लानिंग कमिशन की तरफ से यह फैसला होता है कि मुख्तलिफ उद्योगों में क्या टार्गेट रहे। लेकिन एक पार्टिक्युलर प्लान्ट कहां लगाया जाय, यह टैक्नो-एकोनौमिक और एडमिनिस्ट्रेटिव रीजन्स के ऊपर उस मिनिस्ट्री की तरफ से

†[ ] Hindi transliteration.

फैसला होता है। हम तय नहीं कर सकते हैं कि एक मशीन टूल्स का प्लान्ट कहां लगाया जाय या स्टील प्लान्ट कहां लगाया जाय।

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائینگے کہ فریدآباد اور بہادر گڑھ کی انڈسٹریز کو سامنے رکھتے ہوئے وہ اس بات پر وچار کرینگے کہ یہاں پر انڈسٹریز کو ترقی دینے کے لئے بڑے بڑے پلانٹ فریدآباد، بہادر گڑھ اور سونی پت میں لگائے جائیں کیونکہ نئے نئے انڈسٹریلسٹ پنجاب سے ابھی نکل کر یہاں پر آئے ہیں - ؟

†[**श्री अब्दुल गनी** : क्या वज़ीर साहब फरमाएंगे कि फरीदाबाद और बहादुरगढ़ की इण्डस्ट्रीज़ को सामने रखते हुए वह इस बात पर विचार करेंगे कि यहां पर इण्डस्ट्रीज़ को तरक्की देने के लिये बड़े-बड़े प्लांट फरीदाबाद, बहादुरगढ़ और सोनीपत में लगाए जाएं क्योंकि नये-नये इण्डस्ट्रीयलिस्ट पंजाब से अभी निकल कर यहां पर आए हैं ?]

श्री अशोक मेहता : हर सूबे की सरकार को हमारी हिदायत होती है और कोशिश होती है कि वह इस हिदायत पर अमल करे कि अपने-अपने सूबों में इन्डस्ट्रियल एरियाज तैयार करके रखे और इन्डस्ट्री का डिसपरसल करने की कोशिश करे; लेकिन कोई इन्डस्ट्री कहां लगे यह फैसला जहां सेन्ट्रल गवर्नमेंट का ताल्लुक होता है उसकी मिनिस्ट्री द्वारा तय किया जाता है और जहां पर स्टेट का ताल्लुक होता है, वहां पर स्टेट गवर्नमेंट करती है। मेरे लिए यह बताना नामुमकिन है कि कौनसी इन्डस्ट्री हरियाणा में डाली जायेगी।

SHRI BHUPESH GUPTA: Our Plans nowadays are subject to approval by America. May I know whether the Indian branch of the World Bank, which is located in Yojana Bhavan, in New Delhi, has forwarded these proposals with regard to Haryana to America and whether these proposals are sent in person or through registered post ?

(*No reply.*)

MR CHAIRMAN: Mr. Chordia.

SHRI BHUPESH GUPTA: What is the answer ? You are taking meaning out of Mr. Asoka Mehta's life.

MR. CHAIRMAN: Please.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : अभी प्रश्न के उत्तर में श्रीमान् ने बताया कि हरियाणा का अभी अस्तित्व नहीं है, इस लिये उसके बारे में कोई विचार नहीं किया जा सकेगा। सभापति महोदय, यह योजना भी भविष्य के लिये बनती है और भविष्य में जो भी पासिबिलिटीज होती हैं, जो भी संभावनाएं होती हैं उनको ध्यान में रख कर योजनाओं में प्रावधान किया जाता है। अब तो हरियाणा का बनना निश्चित है। ऐसी स्थिति में हमने अपनी योजनाओं में, जो कि भविष्य के लिये हैं, उस भविष्य की योजना में जो भविष्य में हरियाणा बनने वाला है उसके लिये कोई व्यवस्था की है अथवा नहीं ? यदि नहीं की, तो क्यों नहीं की ?

श्री अशोक मेहता : आज तक जो प्लान बना है फोर्थ प्लान के लिये, पंजाब स्टेट की तरफ से जो प्लान बन कर आया था वह सारे पंजाब के लिये बना था, उसके बारे में बातचीत हुई थी और हमने उनसे कहा था कि उन्होंने जो कुछ मांग की थी, उतना बड़ा प्लान मंजूर करना नामुमकिन है और उस प्लान का साइज़ कम करना पड़ेगा। लेकिन उसमें पंजाबी बोलने वाले हिस्से में क्या प्लान होगा और हरियाणा के लिये क्या होगा, यह तो जब ये दो गवर्नमेंट बनेंगी तब उनकी तरफ से तय होगा। हम लोगों की तरफ से हम अपने कुछ आइडियाज़ तैयार कर के रखेंगे, लेकिन यह स्टेट गवर्नमेंट और

†[ ] Hindi transliteration.

प्लानिंग कमिशन, दोनों के बीच की बात है। हमारे आइडियाज, प्लानिंग कमिशन के, आइडियाज, इसके बारे में क्या है, यह इस वक्त हम रख नहीं सकते क्योंकि उनकी कोई स्टेट्स नहीं है। It is only for internal purposes of our work. जहां तक हरियाना की तरफ से अधिकार से बोलने वाली गवर्नमेंट न आये वहां तक उसका प्लान क्या होगा, मैं नहीं जानता। लेकिन सेन्ट्रल असिस्टेंस वगैरह जो तक्सीम करता है उसमें हरियाना के लिये हिस्सा रखना पड़ेगा और डेवलपमेंट के लिये जो प्लान बने हैं उनमें हरियाना का हिस्सा होगा। लेकिन आखिरी प्लान की शक्ल क्या होगी वह हरियाना स्टेट बनने के बाद तय होगा।

P.M.'S RESIDENCE FOR INSTITUTE OF DEFENCE STUDIES AND ANALYSIS

*364. SHRI SITARAM JAIPURIA:
SHRI JAGAT NARAIN†:

Will the Minister of WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government propose to house the Institute of Defence Studies and Analysis at 10 Janpath, New Delhi, the residence of the late Prime Minister, Shri Lal Bahadur Shastri;

(b) if not, to whom it is likely to be allotted and when; and

(c) whether there is any proposal before Government for having a permanent residence for the Indian Prime Minister on the pattern of the British Prime Minister's residence at 10, Downing Street?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT (SHRI B. BHAGAVATI): (a) and (b) Bungalows Nos. 10 Janpath and 1, Moti Lal Nehru Marg, which constituted the residence of the late Prime Minister, Shri Lal Bahadur Shastri, have already been allotted to the Ministry of Defence on the 24th June, 1966 for the use of the Institute of Defence Studies and Analysis.

(c) No.

श्री जगत नारायण: क्या वजीर साहब बतलायेंगे कि क्या वजह है कि इसको डिफेंस मिनिस्ट्री को अलाट किया गया है और श्रीमती इन्दिरा गांधी क्यों नहीं इस मकान में दाखिल हुई और उन्होंने यह मकान क्यों नहीं कब्जे में लिया? यह क्या पालिसी है कि कोई एक खास कोठी वजीर आजम के लिये मुकर्रर नहीं की गई है? पहले यह खयाल था कि पंडित जी का स्वर्गवास होने के बाद वही कोठी हर आने वाले वजीर आजम को दी जायेगी। तो फिर क्या बात है कि हर वजीर आजम की कोठी बदल जाती है और 10, डाउनिंग स्ट्रीट की तरह क्यों नहीं यहां भी एक ऐसी कोठी बनाई जाती है जो हर वजीर आजम के लिये मखसूस हो?

SHRI B. BHAGAVATI: It is the choice of the Prime Minister to stay in whichever quarter or bungalow she wants to stay. Now, she has preferred to stay in a small bungalow. I can only mention what my senior colleague said in the Lok Sabha that she has set a very good example by preferring to stay in a small house. Government has no proposal to have a permanent residence for the Prime Minister. As and when the Prime Minister decides to stay in a particular house, that is allotted.

श्री जगत नारायण: मैं वजीर साहब से एक बात पूछना चाहता हूं। आजकल पंजाब सेंटर के मातहत है और वहां चंडीगढ़ में चीफ मिनिस्टर के लिये एक खास कोठी बनाई गई थी जब सच्चर साहब की वजारत थी। जब कैरों साहब आये तो वे उस कोठी में नहीं गये और उसको गेस्ट हाउस बनाना पड़ गया। जब कैरों साहब गये और रामकृष्ण साहब आये तो वे भी उसमें नहीं गये जिस में कैरों साहब थे। तो क्या किसी ज्योतिषी से पूछ कर के ऐसी बातें होती हैं कि किसी

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Jagat Narain.